Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-105

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : प्रथम
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : पंचम्
वाङमय का इतिहास

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ब्राह्मण-ग्रन्थों के प्रतिपाद्य-विषय का वर्णन कीजिए।
2. ईशोपनिषद् के महत्त्व को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. भारतीय-दर्शनों में न्याय के स्थान का निरूपण कीजिए।
4. कल्प नामक वेदांग के स्वरूप का निरूपण कीजिए।
5. रामायण कालीन-समाज की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। **(5×5=25)**

1. आरण्यक से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।
2. उपनिषद् वाङ्मय का सामान्य परिचय दीजिए।
3. मानव-जीवन में योग-दर्शन के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।
4. निरुक्त का क्या प्रयोजन है? स्पष्ट कीजिए।
5. रामायण-कालीन समाज की नारी की स्थिति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
6. परवर्ती साहित्य परमहाभारत के प्रभाव का वर्णन कीजिए।
7. 'पुराणं पञ्चलक्षणम्' को स्पष्ट कीजिए।

----------X----------